भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग

 **राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्या: 2440**

**बुधवार, 08 अगस्त, 2018 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**अवसंरचना क्षेत्र के विकास की धीमी गति**

**अता.प्र.सं. 2440. श्री माजीद मेमनः**

**क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या यह सच है कि भारत में अवसंरचना क्षेत्र के विकास की गति मई 2018 में 10 महीने से धीमी रही है;

(ख) यदि हां, तो उत्पादन में कमी के क्या कारण हैं; और

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्‍तर**

**वाणिज्‍य और उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री सी.आर. चौधरी)**

**(क) और (ख):** आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आईसीआई) के संबंध में नवीनतम उपलब्‍ध आंकड़ों के अनुसार मई, 2018 के दौरान संशोधित वृद्धि 4.3 प्रतिशत थी। नवीनतम 12 माह के लिए उपलब्‍ध आईसीआई की मासिक वृद्धि दर नीचे तालिका में दी गई है:

|  |
| --- |
| **आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आधार वर्ष 2011-12) में वृद्धि (%)** |
| मास | जुलाई17 | अगस्‍त 17 | सितंबर 17 | अक्‍तूबर 17 | नवंबर17 | दिसंबर17 | जनवरी 18 | फरवरी18 | मार्च 18 | अप्रैल18 | मई18 | जून18 |
| **आईसीआई की वृद्धि** | 2.9 | 4.4 | 4.7 | 5.0 | 6.9 | 3.8 | 6.2 | 5.4 | 4.5 | 4.6 | 4.3 | 6.7 |

 स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, डीआईपीपी

आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक की वृद्धि दर में मासिक उतार-चढ़ाव, क्षेत्र-वार उत्‍पादन तथा आधारभूत प्रभाव में परिवर्तन के संयोजन के कारण है। आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक में जून, 2018 में 6.7 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है जो दिसंबर, 2017 के बाद से उच्‍चतम है।

**(ग):** अवसंरचना उद्योगों के समग्र विकास में अनेक कारक यथा क्षमता उपयोग, निवेश चक्र, मौसम संबंधी पहलु, नीतिगत मध्‍यस्‍थता, घरेलू एवं वैश्विक वृद्धि दृष्टिकोण आदि योगदान करते हैं। सरकार विनिर्माण क्षेत्र सहित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सतत रूप से कदम उठा रही है जिनमें अन्‍य बातों के साथ-साथ अनुकूल व्‍यवसाय वातावरण सृजित करने के लिए नीतिगत रूपरेखा लागू करना, अवसंरचना नेटवर्क को सुदृढ़ करना तथा अपेक्षित इनपुट की उपलब्‍धता सुनिश्चित करना शामिल है। विदेशी प्रत्‍यक्ष निवेश (एफडीआई) नीति एवं प्रक्रियाओं को सतत रूप से सरल एवं उदारीकृत किया गया है। सरकार ने व्‍यवसाय करने की आसानी में सुधार के लिए भी अनेक कदम उठाए हैं। गवर्नेंस को अधिक दक्ष एवं प्रभावी बनाने के लिए मौजूदा नियमों के सरलीकरण तथा युक्तिकरण और सूचना प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया गया है।

\*\*\*\*\*